

माइक्रोसॉफ्ट विण्डोज

(Microsoft Windows)

136 / 184

1. परिचय

माइक्रोसॉफ्ट विण्डोज एकल उपयोगकर्ता (Single user) के लिए बनाया गया 32 बिट मल्टी टास्किंग आपरेटिंग साफ्टवेयर है। इसका प्रयोग मुख्यतः पीसी (Personal Computer) में किया जाता है। यह ग्राफिकल यूजर इंटरफेस (GUI) तथा ग्राफिकल आइकन के प्रयोग से सुविधाजनक प्रोग्राम क्रियान्वयन, उपयोगकर्ता तथा कम्प्यूटर के बीच बेहतर समन्वय तथा मल्टीमीडिया आदि की सुविधा प्रदान करता है।

इस आपरेटिंग सिस्टम में हम एक साथ कई विंडो खोल सकते हैं तथा उनमें अलग-अलग कार्य सम्पादित कर सकते हैं। माउस या की-बोर्ड की सहायता से एक विंडो से दूसरे विंडो में आसानी से आ-जा सकते हैं।

रोचक तथ्य

विण्डोज आपरेटिंग सिस्टम में कम्प्यूटर स्क्रीन पर आयताकार बॉक्स उपस्थित होता है जो सूचनाओं और प्रोग्राम को दर्शाता है। इस आयताकार बॉक्स को कम्प्यूटर में घुसने की खिड़की (Windows) नाम दिया गया है।

2. विण्डोज का विकास

1980 के दशक में जेरोक्स कारपोरेशन (Xerox Corporation) नामक कम्पनी द्वारा ग्राफिकल यूजर इंटरफेस पर आधारित जेरोक्स स्टार (Xerox Star) नामक कम्प्यूटर का विकास किया गया। परंतु ग्राफिकल यूजर इंटरफेस को लोकप्रियता एप्पल कम्प्यूटर द्वारा विकसित मैकिन्टोश (Macintosh) कम्प्यूटर द्वारा मिली। माइक्रोसॉफ्ट ने अपना पहला ग्राफिकल यूजर इंटरफेस आपरेटिंग साफ्टवेयर Windows 1 वर्ष 1985 में जारी किया।

माइक्रोसॉफ्ट द्वारा विकसित कुछ अन्य लोकप्रिय आपरेटिंग सिस्टम तथा उन्हें जारी करने का वर्ष है—

Windows 3.0	-	वर्ष 1990 ई.
Windows 95	-	वर्ष 1995 ई.
Windows 98	-	वर्ष 1998 ई.
Windows ME	-	वर्ष 2000 ई.
Windows XP	-	वर्ष 2004 ई.
Windows Vista	-	वर्ष 2007 ई.
Windows 7	-	वर्ष 2009 ई.
Windows 10	-	वर्ष 2015 ई.

3. विण्डोज शब्दावलीयाँ

3.1. ग्राफिकल यूजर इंटरफेस (Graphical User Interface-GUI) : यह कम्प्यूटर तथा उपयोगकर्ता के बीच तस्वीर, रेखाचित्र तथा आइकन (Picture, Graphics & Icons) के माध्यम से अंतर्संबंध (Interface) स्थापित करने की प्रक्रिया है। इसके द्वारा कम्प्यूटर के उपयोग के लिए पढ़ने, लिखने या याद रखने की न्यूनतम आवश्यकता होती है। कम्प्यूटर पर उपस्थित आइकन को माउस द्वारा क्लिक कर वांछित निर्देश दिया जा सकता है।

3.2. आइकन (Icon) : ग्राफिकल यूजर इंटरफेस में प्रोग्राम, प्रोग्रामों के समूह या आब्जेक्ट (Object) को दर्शाने के लिए छोटे-छोटे तस्वीरों का प्रयोग किया जाता है जिन्हें आइकन कहते हैं। ये आइकन प्रोग्राम के क्रियान्वयन के लिए शार्टकट (Short Cut) होते हैं, जिन्हें माउस द्वारा निर्देश देकर वांछित कार्य कराया जा सकता है। ये आइकन प्रोग्राम, फाइल या फोल्डर को दर्शाते हैं। आइकन के नीचे प्रोग्राम का नाम भी लिखा रहता है। इसमें निर्देश देने के लिए कमांड याद रखने या टाइप करने की आवश्यकता नहीं पड़ती।

3.3. आब्जेक्ट (Object) : विंडोज साफ्टवेयर में किसी फाइल, फोल्डर या सूचना या प्रोग्राम को आब्जेक्ट का नाम दिया जाता है।

3.4 वाइल्ड कार्ड कैरेक्टर (Wild Card Character) : की-बोर्ड पर स्थित बटन, जो विकल्प के रूप में एक या अधिक कैरेक्टर को निरूपित करता है, वाइल्ड कार्ड कैरेक्टर कहलाता है।

जैसे— ? तथा * । Question Marck (?) जहां एक कैरेक्टर को निरूपित करता है वहीं Asterisk (*) एक या अधिक कैरेक्टर को निरूपित करता है।

क्या आप जानते हैं?

आइकन से संबंधित फाइल को खोलने के लिए माउस द्वारा दो बार लेफ्ट क्लिक (Double Click) या राइट क्लिक + ओपेन (Right Click + Open) या लेफ्ट क्लिक + इंटर (Left Click + Enter) करते हैं।

3.5. सक्रिय विंडो (Active Window) : विंडो अप्लिकेशन साफ्टवेयर में कई विंडो एक साथ खोले जा सकते हैं, पर उनमें से कोई एक ही किसी एक समय में सक्रिय होता है, जिसे एक्टिव विंडो कहते हैं। उपयोगकर्ता कोई भी आदेश या निर्देश केवल सक्रिय विंडो को ही दे सकता है, हालांकि कम्प्यूटर द्वारा प्रोसेसिंग का कार्य सभी विंडो में चलता रहता है। जो विंडो एक्टिव होता है, उसका टाइटल बार गहरे रंग का होता है, जबकि अन्य विंडो का टाइटल बार हल्के रंग का होता है। टास्क बार पर बने आइकन या विंडो के किसी भाग

में क्लिक कर विंडो को एक्टिव बनाया जा सकता है। Tab बटन के सहारे भी एक्टिव विंडो को बदला जा सकता है।

3.6. प्लग एण्ड प्ले (Plug and Play) : यह विंडोज साफ्टवेयर की एक विशेषता है। इसमें कम्प्यूटर किसी नए जोड़े गए हार्डवेयर की स्वतः पहचान (Detect) करता है तथा उसे उपयोग के लायक बनाता है। इससे नये हार्डवेयर लगाने पर कम्प्यूटर पुनः स्टार्ट करने की जरूरत नहीं पड़ती।

3.7. डिफाल्ट (Default) : किसी भी साफ्टवेयर या प्रोग्राम में स्थित विकल्पों में से कोई एक विकल्प पूर्व निर्धारित होता है और स्वतः चुन लिया जाता है। इसे डिफाल्ट का नाम दिया जाता है। विकल्पों में से किसी अन्य विकल्प का चयनकर डिफाल्ट को बदला जा सकता है।

3.8. फाइल तथा फोल्डर (File and Folder) : द्वितीयक मेमोरी में संग्रहीत किए गए डाटा के समूह को फाइल कहते हैं। कम्प्यूटर में किसी प्रकार के डाटा को फाइल में ही संग्रहित किया जा सकता है। बहुत सी फाइलों को मिलाकर एक फोल्डर बनाया जाता है। कम्प्यूटर में फाइल व फोल्डर को रखने की व्यवस्था फाइल मैनेजमेंट (File Management) कहलाती है।

फाइल तथा फोल्डर को आइकॉन (Icon) द्वारा प्रदर्शित किया जाता है। आइकॉन के नीचे उस फाइल या फोल्डर का नाम भी लिखा रहता है।

3.9. फाइल नाम (File Name) : प्रत्येक फाइल को विशेष पहचान देने के लिए उसे फाइल नाम दिया जाता है। विंडोज प्रोग्राम में फाइल नाम 255 कैरेक्टर तक हो सकता है जिसमें अंक, अक्षर तथा खाली स्थान हो सकते हैं, पर विशेष चिह्नों का प्रयोग नहीं किया जाता है।

फाइल नाम में दो भाग होते हैं। पहला भाग फाइल का नाम होता है जो उपयोगकर्ता द्वारा दिया जाता है। दूसरा भाग फाइल एक्सटेंशन (File Extension) कहलाता है जो फाइल के प्रकार पर निर्भर करता है तथा फाइल को Save करने पर कम्प्यूटर द्वारा स्वतः दिया जाता है।

कुछ प्रचलित फाइल एक्सटेंशन नाम हैं-

- .exe - Executable File
- .doc - Word Document File
- .dat - Data File
- .txt - Text File
- .hlp - Help File
- .xls - Microsoft Excel File
- .jpg - JPEG Graphics File
- .bas - Basic Program File
- .bak - Back-up Data File
- .Wav - Sound (wave) File

फाइल एक्सटेंशन नाम dot (.) के बाद दिया जाता है तथा तीन अक्षरों का होता है।

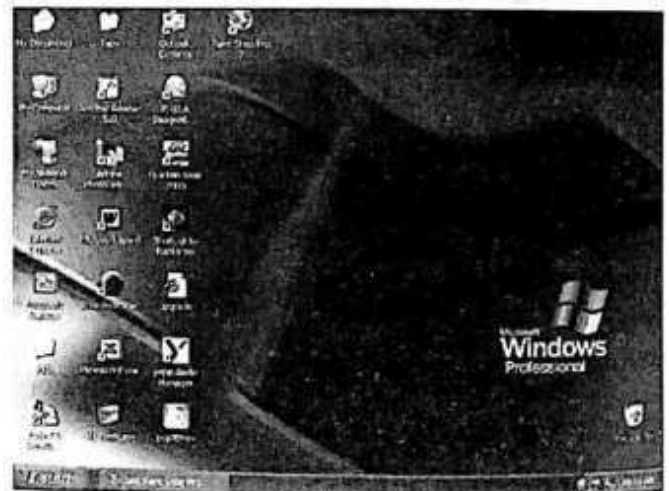
4. विण्डोज के भाग (Parts of Windows)

अध्ययन की दृष्टि से विण्डोज को निम्नलिखित मुख्य भागों में बांटा जाता है—

137 / 184

4.1. डेस्कटॉप (Desktop) : माइक्रोसाफ्ट विण्डोज का वह भाग जो साफ्टवेयर खुलने पर कम्प्यूटर स्क्रीन पर दिखाई देता है, डेस्कटॉप कहलाता है। यह कम्प्यूटर पर कार्यक्षेत्र है जहां प्रोग्राम, आइकन, मेन्यू तथा डायलॉग बॉक्स दिखाई देता है। डेस्कटॉप पर उपस्थित कुछ प्रमुख भाग हैं—

- My Document
- My Computer
- My Network Places
- Recycle Bin
- Internet Explorer
- Task Bar
- Start Menu
- Files and Folders



चित्र 16.1 : डेस्कटॉप

4.2 माई डॉक्यूमेंट (My Document) : यह एक फोल्डर है जो उपयोगकर्ता द्वारा तैयार फाइल या डॉक्यूमेंट को व्यवस्थित रखने तथा प्राप्त करने की सुविधा प्रदान करता है। उपयोगकर्ता द्वारा सेव (Save) किए गए सभी फाइल स्वतः इसी फोल्डर में रखे जाते हैं, जब तक किसी अन्य फोल्डर का चयन न किया जाए। यह सभी डॉक्यूमेंट की सूची भी प्रदर्शित करता है।

4.3. माई कम्प्यूटर (My Computer) : यह कम्प्यूटर में संग्रहीत सभी सूचनाओं तथा हार्डवेयर आदि का लिस्ट प्रदर्शित करता है। यह डिस्क ड्राइव, कैमरा, स्कैनर, प्रिंटर आदि के आइकन भी प्रदर्शित करता है।

4.4. माई नेटवर्क प्लेसेस (My Network Places) : इसमें कम्प्यूटर से जुड़े अन्य कम्प्यूटरों को दर्शाया जाता है जिनसे डाटा व सूचना का आदान-प्रदान व संसाधनों का साझा उपयोग संभव होता है।

4.5. री-साइकिल बिन (Recycle Bin) : यहां उपयोग के दौरान कम्प्यूटर से हटाई (Delete) गई फाइलें अस्थायी तौर पर रहती हैं। आवश्यकता पड़ने पर Delete की गई फाइल को Restore द्वारा वापस भी लाया जा सकता है। Delete की गई फाइल को कम्प्यूटर से पूरी तरह नष्ट करने के लिए Empty Recycle Bin द्वारा री-साइकिल बिन को खाली किया जाता है।

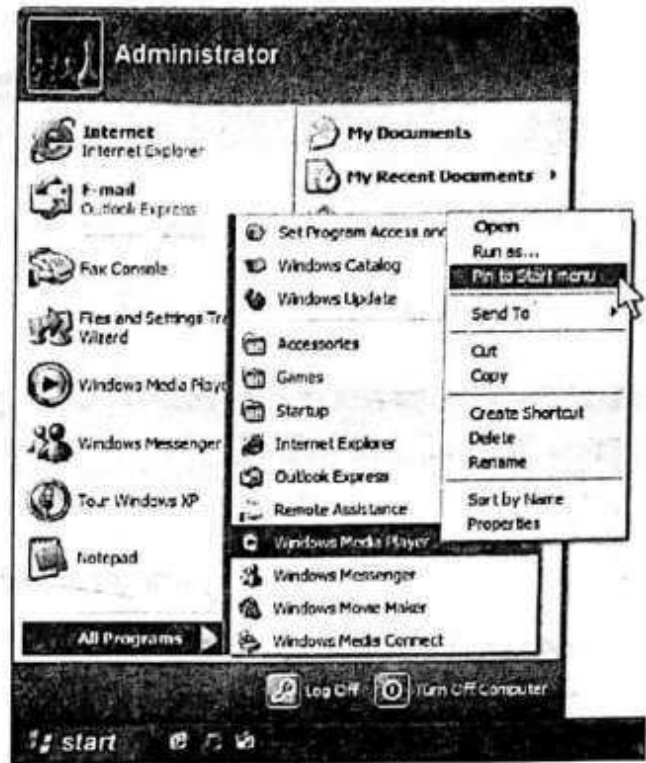
4.6. टॉस्क बार (Task Bar) : यह विण्डोज डेस्कटॉप के सबसे नीचे स्थित पतली पट्टी है। इस पर Start बटन, वर्तमान में चालू प्रत्येक प्रोग्राम के लिए एक बटन, घड़ी तथा कुछ अन्य शार्टकट आइकन रहते हैं। टॉस्क बार का प्रयोग कर खुले हुए प्रोग्रामों के एक विंडो से दूसरे विंडो में आसानी से जाया जा सकता है। यदि किसी विंडो को हम Minimize करते हैं, तो वह डेस्कटॉप से हट जाता है, परंतु टॉस्कबार पर दिखाई देता है।

5. स्टार्ट मेन्यू (Start Menu)

टॉस्क बार के बायें कोने पर Start बटन रहता है जिसे क्लिक कर Start Menu खोला जा सकता है। इसका प्रयोग विभिन्न प्रोग्राम या अप्लिकेशन को आरंभ करने के लिए किया जाता है। यह कम्प्यूटर में उपस्थित साफ्टवेयर, प्रोग्राम व सुविधाओं की सूची प्रदर्शित करता है।

स्टार्ट मेन्यू में दिखने वाले कुछ मुख्य विकल्प हैं—

- **Turn off Computer :** यह Turn off Computer डायलॉग बॉक्स खोलता है जो कम्प्यूटर को Stand by mode में लाने, बंद करने या पुनः स्टार्ट (Restart) करने के लिए प्रयुक्त होता है।
- **Log off Administrator :** यह कम्प्यूटर उपयोगकर्ता द्वारा कार्य समाप्त कर बाहर आने तथा अपनी विशेष Settings को बंद करने के लिए प्रयोग किया जाता है। दूसरा व्यक्ति Log on कर अपनी Settings खोल सकता है।
- **Run :** किसी साफ्टवेयर को चलाने या नये साफ्टवेयर को इंस्टाल करने के लिए प्रयोग किया जाता है।
- **Help and Support :** किसी विशेष टॉपिक पर सहायता या जानकारी प्राप्त करने के लिए प्रयुक्त।
- **Search :** कम्प्यूटर पर स्थित फाइल या फोल्डर को खोजने के लिए प्रयुक्त।
- **Settings :** कम्प्यूटर के सेटिंग में बदलाव किए जा सकने वाले कार्यों की सूची। कम्प्यूटर के Function तथा Appearance को तय करने, प्रोग्राम जोड़ने या हटाने (Add/Remove Program), नेटवर्क से जुड़ने आदि के लिए प्रयुक्त।
- **Documents :** हाल ही में प्रयोग किए गए दस्तावेजों की सूची प्रदान करता है।
- **Favorites :** उपयोगकर्ता द्वारा Favorites फोल्डर में डाले गए फाइलों की सूची प्रदान करता है।
- **Programs :** कम्प्यूटर में उपलब्ध प्रोग्रामों की सूची दिखाता है जिन्हें इच्छानुसार चालू किया जा सकता है।






चित्र 16.2 : स्टार्ट मेन्यू


6. टाइटिल बार (Title Bar)

यह विण्डोज के सबसे ऊपर स्थित क्षैतिज पट्टी है। इस पर चालू प्रोग्राम का नाम लिखा रहता है। सक्रिय (Active) विण्डो के टाइटिल बार का रंग गहरा जबकि निष्क्रिय (Inactive) विण्डो के टाइटिल बार का रंग हल्का होता है।

टाइटिल बार के बायें कोने पर विण्डोज को न्यूनतम (Minimize), अधिकतम (Maximize)/रिस्टोर (Restore) तथा बंद (Close) करने के बटन होते हैं।

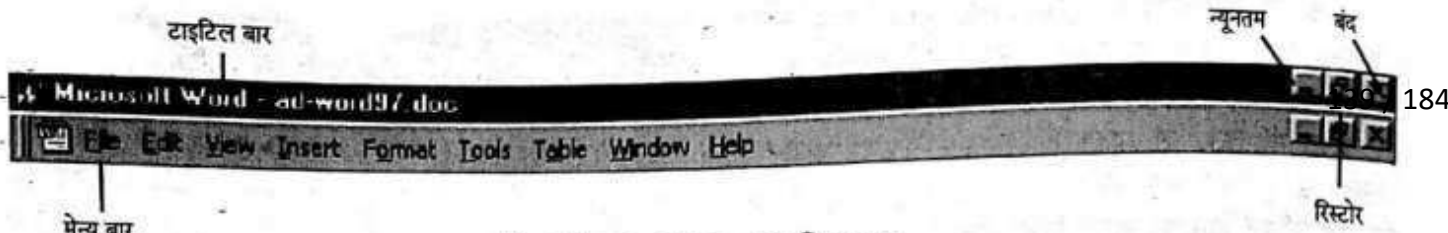
न्यूनतम (Minimize)  बटन से विण्डो डेस्कटॉप से हटकर टास्कबार पर एक बटन के रूप में आ जाता है। इस बटन को पुनः क्लिक करने पर विण्डो डेस्कटॉप पर आ जाता है।

अधिकतम (Maximize)  बटन से विण्डो पूरी स्क्रीन के बराबर हो जाती है। अब यह बटन रिस्टोर (Restore)  बटन के रूप में बदल जाता है जिसे क्लिक कर विण्डो को पुराने आकार में लाया जा सकता है।

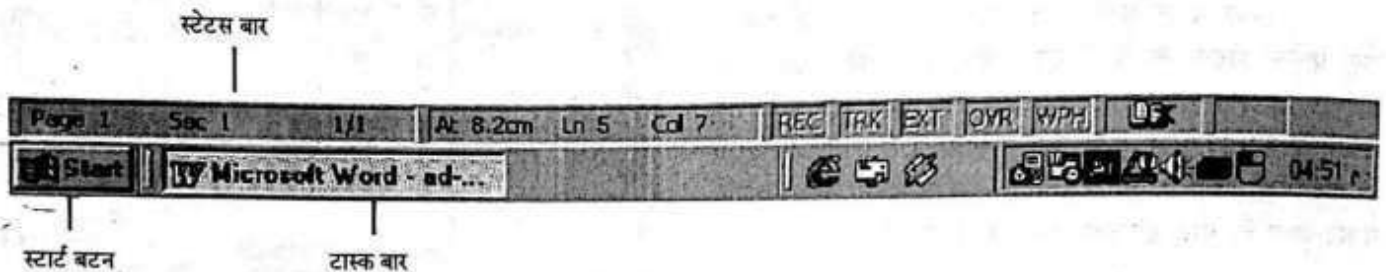
बंद (Close)  बटन से खुले प्रोग्राम के कार्य को समाप्त कर विण्डो बंद किया जा सकता है। Close बटन को दबाने पर Save/Save As डायलॉग बॉक्स आता है जिसके बाद विण्डो बंद हो जाता है। (चित्र सं. 16.3)

7. स्क्रॉल बार (Scroll Bar)

अगर विण्डो में प्रदर्शित सूचना का आकार विण्डो के आकार से बड़ा हो तो सूचना को ऊपर-नीचे या दांये-बांये करने के लिए स्क्रॉल बार का प्रयोग किया जाता है।



चित्र संख्या : 16.3 : टाइटिल बार



चित्र संख्या : 16.4 : स्टेटस/टॉस्क बार

स्कॉल बार दो तरह के होते हैं—

ऊर्ध्वाधर (Vertical) स्कॉल बार : इससे सूचना को ऊपर-नीचे खिसकाया जा सकता है।

क्षैतिज (Horizontal) स्कॉल बार : इससे सूचना को दांये-बांये खिसकाया जा सकता है।

स्कॉल बार में एक आयताकार बॉक्स होता है जिसे इलीवेटर (Elevator) कहते हैं। इसे माउस द्वारा खींचकर सूचना को आगे-पीछे किया जा सकता है। इलीवेटर के दोनों ओर तीर के चिह्न के साथ एक वर्गाकार बॉक्स होता है जिसे स्कॉल बटन (Scroll button) कहते हैं। इस पर क्लिक कर सूचना को तीर की दिशा में खिसकाया जा सकता है। (चित्र सं. 17.3)

8. टूल बार (Tool Bar)

विण्डो में टाइटिल बार के नीचे एक पतली पट्टी होती है जिस पर उस प्रोग्राम में अक्सर प्रयोग में लायी जाने वाले आदेशों का आइकन बना रहता है। इसे टूल बार कहते हैं। टूल बार के बटन या आइकन प्रोग्राम के अनुसार बदलते रहते हैं। टूल बार में बटनों को अपनी आवश्यकतानुसार जोड़ा या हटाया जा सकता है। (चित्र सं. 17.3)

9. मेन्यू बार (Menu Bar)

टाइटिल बार के नीचे एक पतली पट्टी जिसमें कई प्रोग्राम, फाइल, विकल्पों या आदेशों की सूची बनी रहती है जिसमें से किसी एक का चयन कर उस कार्य को क्रियान्वित किया जा सकता है। मेन्यू बार के विकल्प प्रोग्राम के अनुसार बदलते रहते हैं। (चित्र सं. 16.3)

10. स्टेटस बार (Status Bar)

यह टास्क बार के ठीक ऊपर अवस्थित होता है तथा डाक्यूमेंट में पेज, सेक्शन, लाइन तथा कॉलम के हिसाब से कर्सर की स्थिति बताता है।

11. मेन्यू (Menu)

यह विकल्पों या आदेशों की सूची है जिसमें से किसी एक का चयन किया जा सकता है। मेन्यू दो प्रकार के होते हैं—

(i) **पुल/ड्रॉप डाउन मेन्यू (Pull/Drop Down Menu) :** किसी विषय को क्लिक करने पर यह मेन्यू उस विषय के नीचे प्रदर्शित होता है।

(ii) **पुल अप मेन्यू (Pull-up Menu) :** किसी विषय को क्लिक करने पर यह उस विषय के ऊपर प्रदर्शित होता है।

किसी मेन्यू या उसके विकल्प को दो तरीके से खोला जा सकता है—

- विकल्प पर माउस द्वारा क्लिक करके;
- ALT बटन के साथ विकल्प का रेखांकित (Under lined) अक्षर दबाने पर। जैसे View मेन्यू खोलने के लिए ALT+V दबाया जाता है।

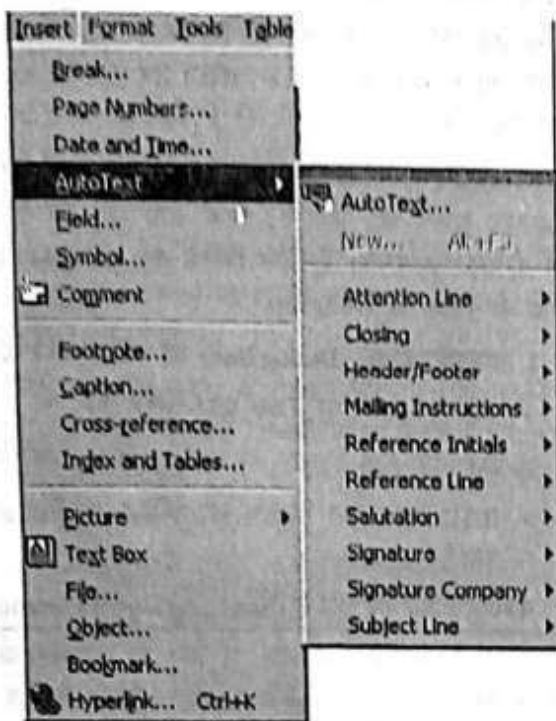
रोचक तथ्य

मेन्यू (Menu) का यह नाम होटल में प्रस्तुत की जानेवाली पुस्तिका से लिया गया जिसमें व्यंजनों की सूची दर्शायी जाती है।

11.1. मेन्यू में प्रयुक्त कुछ संकेत (Signs used in Menu) : (चित्र सं. 16.5)

(i) **त्रिभुज (Triangle) ▾ :** मेन्यू के किसी विकल्प के दायी ओर बना काला त्रिकोण सब मेन्यू (Sub Menu) या कैसकेडिंग मेन्यू (Cascading Menu) को बताता है। माउस को उस विकल्प पर लाकर सब मेन्यू सक्रिय किया जा सकता है।

(ii) **लोप चिह्न (Ellipsis) ... :** यह किसी विकल्प के बाद तीन छोटे बिंदुओं (...) के रूप में रहता है। यह दर्शाता है कि इस विकल्प को सक्रिय करने पर एक डायलॉग बॉक्स आयेगा जिसमें कुछ सूचनाओं को भरना या चुनना होगा।



चित्र 16.5

(iii) डॉट (Dot) : विकल्प के सामने एक बड़ा काला बिन्दु (●) यह दर्शाता है कि उपलब्ध विकल्पों में से केवल एक को ही चुना जा सकता है। चुने गये बिन्दु के बायीं ओर डॉट रहता है।

(iv) सही का निशान (Check Mark) : किसी विकल्प से पहले यह चिह्न बताता है कि वह विकल्प सक्रिय है। विकल्प को क्लिक कर उसे निष्क्रिय किया जा सकता है।

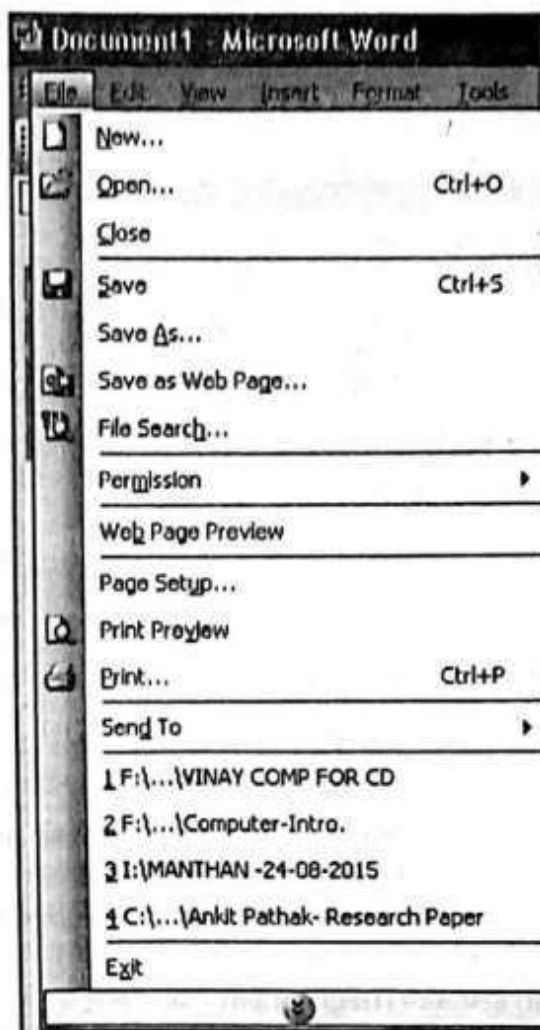
(v) हल्का विकल्प (Grayed option) : किसी विकल्प का हल्का रंग यह बताता है कि किसी कारणवश ये विकल्प सक्रिय नहीं किये जा सकते। जैसे- Paste विकल्प तभी सक्रिय होगा जब पेस्ट करने के लिए क्लिप बोर्ड में कोई सामग्री हो।

12. बटन संयोग (Key Combination) या शार्टकट बटन (Shortcut Key)

की-बोर्ड पर कार्य करते समय बार-बार माउस के प्रयोग की असुविधा से बचने के लिए मेन्यू के किसी विकल्प को की-बोर्ड से भी चुना जा सकता है जिसे शार्टकट बटन कहते हैं। यह शार्टकट बटन मेन्यू में उपलब्ध विकल्प के सामने छपा रहता है। जैसे Open विकल्प को 'Ctrl+O' बटन दबाकर सक्रिय किया जा सकता है। (चित्र सं. 16.6)

रोचक तथ्य

किसी फाइल को स्थायी तौर पर Recycle Bin में भेजे बिना Delete करने के लिए Shift+Del दबायें।



चित्र 16.6

13. डायलॉग बॉक्स (Dialog Box)

यह कम्प्यूटर प्रोग्राम का एक विण्डो (Window) है जो कम्प्यूटर तथा उपयोगकर्ता के बीच संवाद स्थापित करता है। यह उपयोगकर्ता को कोई सूचना देता है, या सावधान (Alert) करता है या किसी कार्य के लिए उसका उत्तर या निर्णय (Response or Decision) मांगता है।

डायलॉग बॉक्स बंद करने के लिए दिये गए विकल्पों के आधार पर 'Ok' या 'Cancel' बटन दबाना पड़ता है जो उपयोगकर्ता के उत्तर या निर्णय की पुष्टि करता है।

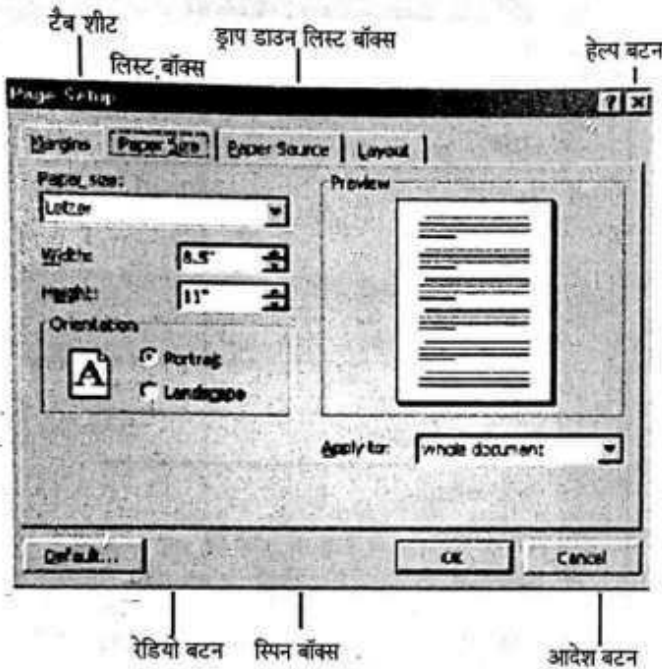
डायलॉग बॉक्स तब खुलता है जब किसी कार्य को संपादित करने के लिए उपयोगकर्ता से और अधिक सूचना लेनी होती है या उसे किसी परिणाम की सूचना देनी होती है। इसके टाइटल बार में डायलॉग बॉक्स का नाम, बंद करने का (Close) बटन तथा सहायता बटन (Help Button) रहता है।

13.1. डायलॉग बॉक्स के भाग (Parts of Dialog Box)

: डायलॉग बॉक्स में निम्नलिखित में से कुछ या सभी हो सकते हैं—

(i) आदेश (Command) बटन : यह एक आयताकार बॉक्स होता है जिस पर आदेश का नाम लिखा रहता है। जैसे- OK, Cancel, Help आदि। OK बटन से डायलॉग बॉक्स चुने गये

विकल्पों को संपादित कर बंद होता है। Cancel से वह बिना कोई कार्य किये बंद हो जाता है। कुछ आदेश बटन के साथ लोप चिह्न (...) होता है जिसे दबाने पर एक अन्य डायलॉग बॉक्स खुलता है।



चित्र सं. 16.7

(ii) विकल्प बटन (Option Button) या रेडियो (Radio) बटन : ये बटन डायलॉग बॉक्स के कई विकल्पों में से किसी एक को चुनने की सुविधा देते हैं। विकल्प के साथ बने गोल बटन में एक बड़ा बिंदु (Dot) चयनित विकल्प को दर्शाता है।

(iii) हेल्प बटन (Help Button) : यह टाइटल बार के दांये कोने में रहता है। इसे क्लिक करने से एक प्रश्नवाचक चिह्न माउस प्वाइंटर के साथ जुड़ जाता है। इसे किसी वस्तु पर क्लिक करने से उसके संबंध में सहायता सूचना एक अन्य डायलॉग बाक्स में दिखाई पड़ती है।

(iv) चेक बाक्स (Check Box) : इसमें उपलब्ध विकल्प के साथ एक चौकोर बाक्स होता है जिसे क्लिक कर एक या अधिक विकल्पों को एक साथ चयनित किया जा सकता है।

(v) टेक्स्ट बॉक्स (Text Box) : इस तरह के बॉक्स में वांछित सूचनाएं टाइप या उपलब्ध विकल्पों में से चयनित कर भरी जा सकती हैं। कुछ टेक्स्ट बॉक्स में पहले से ही कुछ सूचना भरी हो सकती है जिसे डिफाल्ट टेक्स्ट (Default Text) कहते हैं। नयी सूचना टाइप करके या डिलीट (Del) या बैक स्पेस (Back Space) बटन द्वारा इसे हटाया जा सकता है।

(vi) लिस्ट बॉक्स (List Box) : इस बाक्स में पूर्व निर्धारित विकल्पों की सूची रहती है जिसमें से किसी एक को चुना जा सकता है।

(vii) ड्रॉप डाउन लिस्ट बाक्स (Drop Down List Box) : टेक्स्ट बाक्स के दांयी ओर तीर का निशान ड्रॉप डाउन लिस्ट बाक्स को इंगित करता है। तीर को क्लिक कर नीचे विकल्पों की सूची देखी जा सकती है। विकल्पों में से किसी एक पर क्लिक करने से वह सूचना टेक्स्ट बाक्स में चली जाती है।

(viii) टैब शीट (Tab Sheet) : किसी डायलॉग बाक्स में कई विकल्प होने पर उन्हें अलग-अलग पत्रों या शीट में व्यवस्थित किया जाता है। प्रत्येक शीट का एक टैब डायलाग बाक्स होता है जिसे टाइटल बार के नीचे क्षैतिज पंक्ति में रखा जाता है। इन शीट में से किसी एक को ही एक बार में चुना जा सकता है। सक्रिय टैब शीट का बटन उभरा हुआ मालूम पड़ता है।

(ix) स्पिन बॉक्स (Spin Box) : ये छोटे बॉक्स हैं जिनमें संख्यात्मक सूचना भरी जाती है। इनके दांयी ओर तीर के निशान वाले दो छोटे बटन होते हैं जिन्हें क्लिक कर संख्यात्मक मान को घटाया या बढ़ाया जा सकता है।

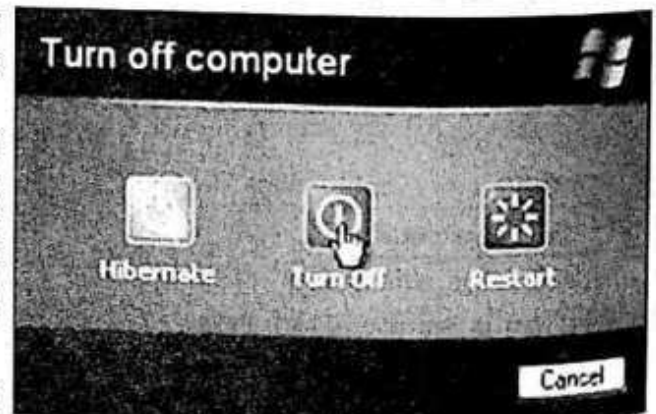
13.2. डायलॉग बॉक्स (Dialog Box) को सक्रिय करने के तरीके

- वांछित विकल्प पर माउस द्वारा क्लिक करें, या
- ALT के साथ विकल्प का रेखांकित अक्षर दबायें, या
- TAB बटन द्वारा विकल्प को चिह्नित कर Enter बटन दबायें।

14. कम्प्यूटर को बंद करना (Shutting Down Computer)

विण्डोज़ आपरेटिंग सिस्टम पर चल रहे कम्प्यूटर को बंद करने के लिए एक निश्चित प्रक्रिया का पालन किया जाना चाहिए। अन्यथा कम्प्यूटर के खराब होने की संभावना बनी रहती है।

- Start बटन को क्लिक करें।
- Start मेन्यू में Turn off Computer विकल्प को क्लिक करें। Turn off Computer डायलॉग बॉक्स दिखाई देगा।
- Turn off विकल्प चुने।
- कम्प्यूटर स्वयं बंद हो जाता है। इसके बाद बिजली का स्विच बंद किया जा सकता है।



चित्र 16.8 : टर्न ऑफ कम्प्यूटर डायलॉग बाक्स

क्या आप जानते हैं

उपयुक्त प्रक्रिया के बगैर कम्प्यूटर बंद करने से चालू फाइलें खराब हो सकती हैं तथा हार्ड डिस्क में त्रुटि आ सकती है।

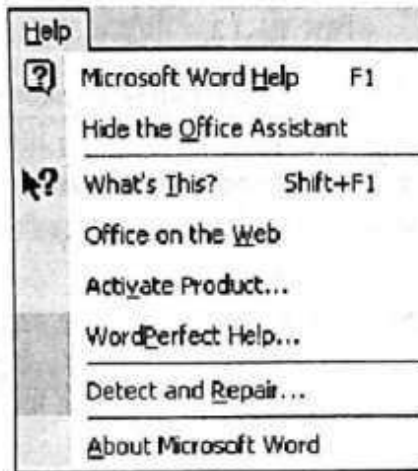
15. विण्डोज में सहायता लेना (Help in Windows)

विण्डोज के किसी प्रोग्राम में मेन्यू बार में Help मेन्यू से या स्टैंडर्ड टूल बार पर Help आइकन क्लिक कर सहायता ली जा सकती है। इसमें हम Context या Index के आधार पर सहायता प्राप्त कर सकते हैं।

Office Assistant में हम किसी प्रश्न के कुछ शब्दों को टाइप कर उससे संबंधित जानकारियों की सूची प्राप्त कर सकते हैं तथा उसके बारे में जान सकते हैं।

What's This? विकल्प द्वारा हम विंडो में स्थित किसी आब्जेक्ट, टूल या आइकन पर क्लिक कर उसके विषय में संक्षिप्त जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

किसी डायलॉग बॉक्स में टाइटल बार पर बने Question Mark (?) को क्लिक कर उसे डायलॉग बॉक्स के किसी विकल्प पर क्लिक करने से उस विकल्प से संबंधित संक्षिप्त जानकारी प्राप्त की जा सकती है।



Word 2003's Help menu

चित्र 16.9 : माइक्रोसॉफ्ट वर्ड हेल्प

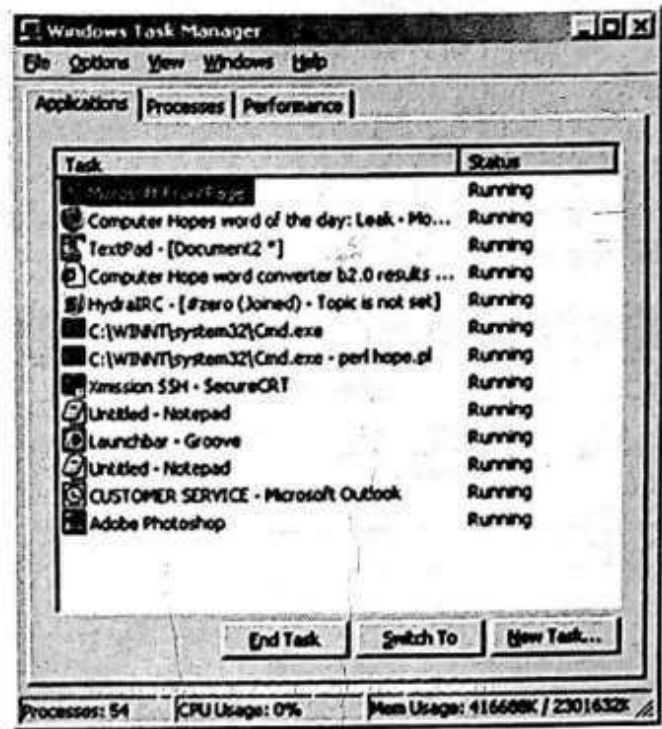
16. विंडोज टास्क मैनेजर (Windows Task Manager)

यह माइक्रोसॉफ्ट विण्डोज ऑपरेटिंग सिस्टम का एक यूटिलिटी अप्लिकेशन सॉफ्टवेयर है, जो कंप्यूटर की कार्यक्षमता, उस पर वर्तमान में चल रहे कार्य, सीपीयू की उपयोग क्षमता, कंप्यूटर मेमोरी की स्थिति आदि की जानकारी देता है।

इसका उपयोग कंप्यूटर की प्राथमिकता तय करने, चल रहे प्रोग्राम को बंद करने, कंप्यूटर बंद (Shut Down) करने या रि-स्टार्ट (Restart) करने में भी किया जाता है।

विण्डोज टास्क मैनेजर प्रोग्राम चालू करने के तरीके—

- टास्क बार पर Task Manager सेलेक्ट करना या
- Ctrl+Shift+Esc बटन दबाना या
- Ctrl+Alt+Del बटन एक साथ दबाना।



चित्र 16.10 : विण्डोज टास्क मैनेजर

17. स्टैंड बाई (Stand By)

यह विण्डोज सॉफ्टवेयर का Power Management Feature है। स्टैंड बाई मोड में कंप्यूटर कम ऊर्जा खपत करता है जिससे बिजली या बैटरी की बचत की जा सके।

स्टैंड बाई मोड कंप्यूटर को पुनः चालू करने पर डेस्कटॉप की पुरानी स्थिति बहाल करता है। इसमें हार्ड वेयर, बाह्य उपकरणों (Peripherals), मॉनीटर, हार्ड डिस्क आदि की सप्लाय बंद कर दी जाती है, पर मेमोरी को सप्लाय चालू रहता है ताकि इस मोड से बाहर आने पर डेस्क टॉप की पुरानी स्थिति बहाल हो सके। इस मोड में सूचना सेव (Save) नहीं की जाती है, अतः सप्लाय बंद हो जाने पर सूचना नष्ट हो जाती है।

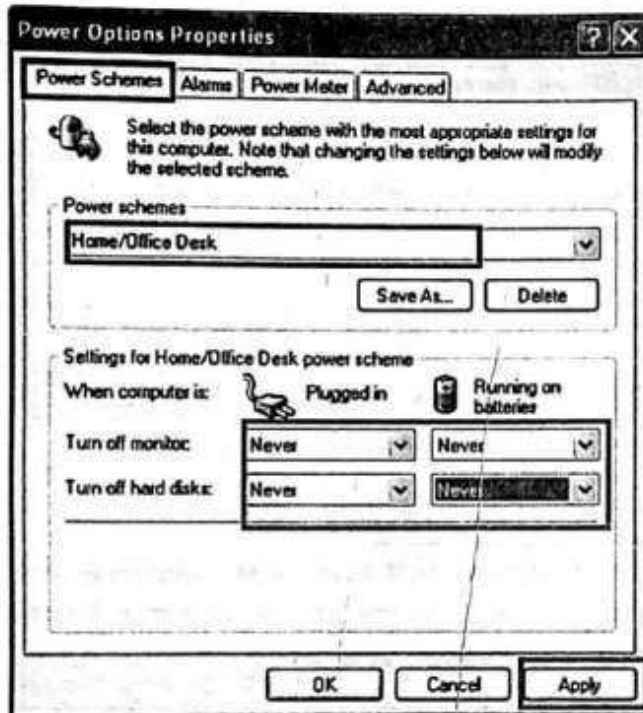
स्टैंडबाई मोड में जाने के तरीके—

1. Start → Control Panel → Performance and Maintenance → Power Options → Power Scheme → System Stand by.
2. Start → Shut Down → Standby.
3. Power Button दबाकर।

अगर कंप्यूटर कुछ देर के लिए निष्क्रिय पड़ा है और Power Scheme चालू है, तो कंप्यूटर स्वयं ही Stand By mode में चला जाता है। की-बोर्ड पर किसी भी बटन को दबाने से कंप्यूटर Stand By mode से बाहर आ जाता है।

18. हाइबरनेट (Hibernate)

यह कम्प्यूटर का Power Management Feature है। इसमें कम्प्यूटर सभी चालू फाइल व डाक्यूमेंट सहित डेस्कटाप को सेव (save) कर लेता है तथा कम्प्यूटर की सप्लाय बंद कर देता है, ताकि बिजली या बैटरी की बचत की जा सके। जब कम्प्यूटर को पुनः चालू किया जाता है तो फाइल, डाक्यूमेंट तथा डेस्कटाप वैसे ही खुलते हैं जैसे कम्प्यूटर बंद होने से पहले था।



चित्र 16.11 : स्टैंडबाई और हाइबरनेट

Stand By mode में मेमोरी को सप्लाय जारी रहती है जबकि Hibernate में कम्प्यूटर की पूरी सप्लाय बंद कर दी जाती है। Stand By mode से वापस आने में समय कम लगता है जबकि Hibernate मोड से वापस आने में अपेक्षाकृत अधिक समय लगता है।

अगर Hibernation सक्रिय (Enable) है तो निर्धारित समय तक निष्क्रिय रहने के बाद कम्प्यूटर स्वयं Hibernate mode में चला जाता है।

Hybernatte सक्रिय करना :

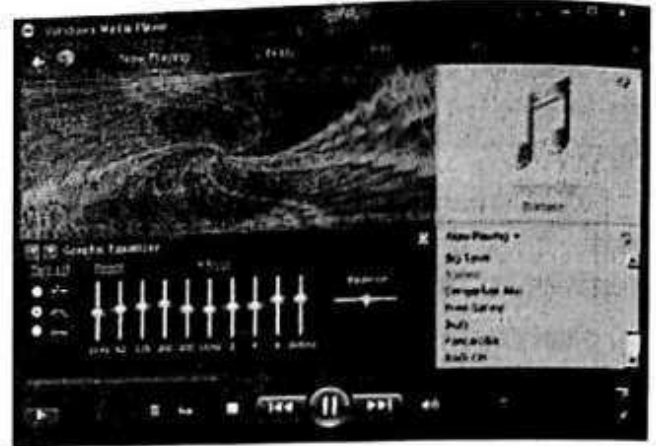
Start → Control panel → performance and Maintenance → Power options → Hybernatte → Enable Hybernatte → Apply.

19. विण्डोज मीडिया प्लेयर (Windows Media Player)

यह माइक्रोसाफ्ट विंडोज साफ्टवेयर का डिजिटल मीडिया प्लेयर है जिसके द्वारा हम श्रव्य (Audio) या दृश्य (Video) प्रोग्राम चला सकते हैं या चित्र (Image) देख सकते हैं। इसका प्रयोग संगीत सुनने तथा फिल्म देखने में किया जाता है।

विंडोज मीडिया प्लेयर आडियो तथा वीडियो फाइल को कॉपी (copy) कर सकता है, सीडी पर उसे रिकार्ड कर सकता है तथा फाइलों को अपने Playlist में जोड़ सकता है।

143 / 184



चित्र 16.12 : मीडिया प्लेयर

20. विण्डोज एक्सप्लोरर (Windows Explorer)

यह फाइल तथा फोल्डरों के प्रबंधन वाला एक प्रोग्राम है। यह फाइल तथा फोल्डरों को ढांचा-चित्र के रूप में व्यवस्थित करता है तथा उन्हें एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाने, कॉपी करने आदि की सुविधा प्रदान करता है।

विण्डोज एक्सप्लोरर (Windows Explorer) आइकॉन को डबल क्लिक करने पर एक्सप्लोरर विण्डो खुलता है। इसके दो भाग होते हैं—बायां भाग ट्री पेन (Tree pane) तथा दायां भाग कान्टेंट पेन (Contents Pane) कहलाता है।

Tree pane में \square का चिह्न बताता है कि इसके अंदर कुछ अन्य फोल्डर या सब-फोल्डर मौजूद है। \square चिह्न पर क्लिक करने से सभी विकल्प दिखाई देते हैं तथा यह चिह्न बदलकर \square का चिह्न हो जाता है।

क्या आप जानते हैं ?

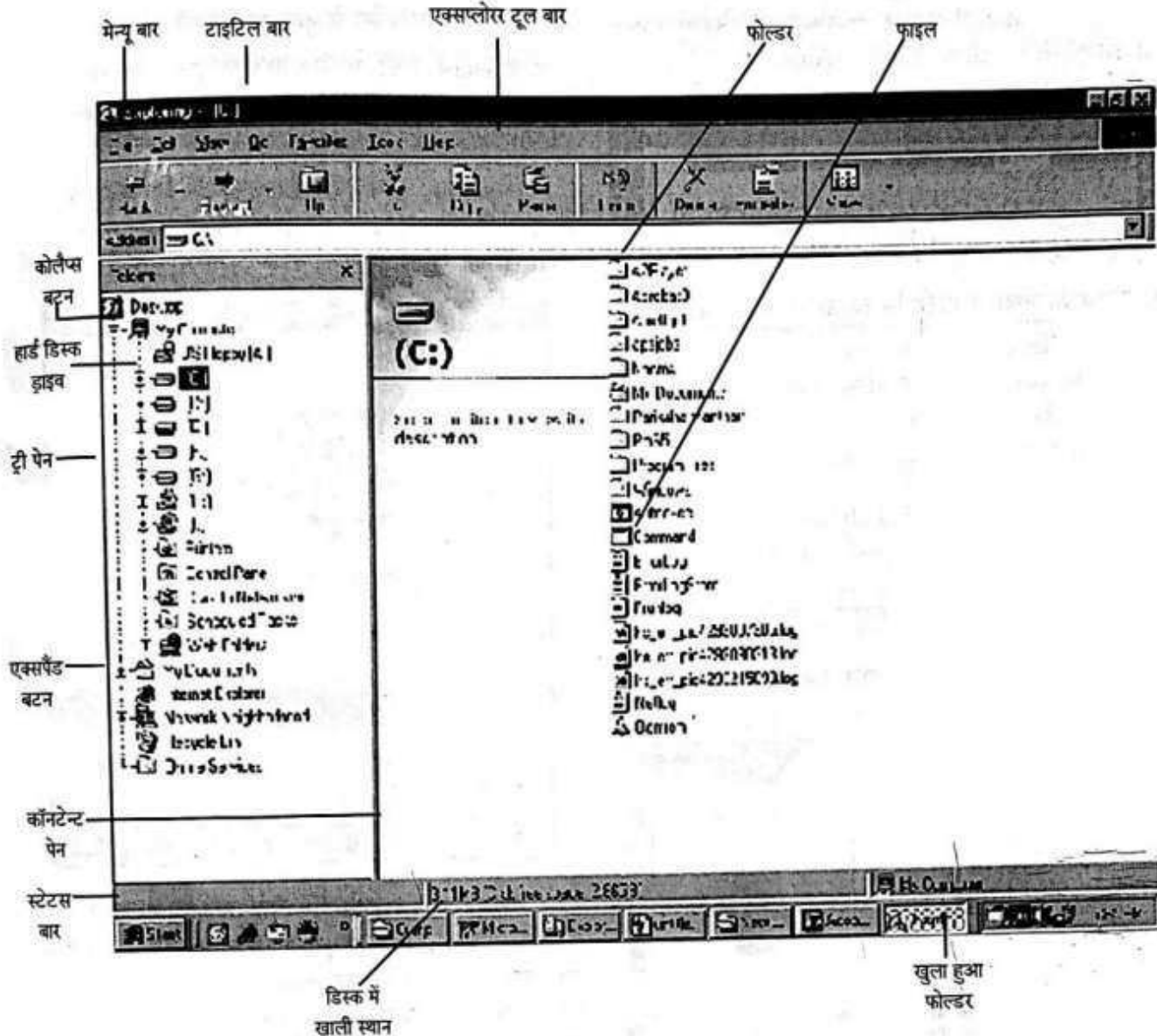
एक्सप्लोरर विण्डो को My Computer आइकॉन पर दायां क्लिक करके प्राप्त मेन्यू में से Explore विकल्प क्लिक कर भी खोला जा सकता है।

20.1. फाइल के गुणों को देखना (Viewing File Properties)

फाइल या फोल्डर आइकॉन पर दायां क्लिक करें। मेन्यू में से Properties विकल्प को क्लिक करें। प्रोपर्टी शीट दिखाई देता है जिसमें फाइल के गुणों (Attributes) में परिवर्तन किया जा सकता है। जैसे—

Read Only : इस विकल्प को चेक (✓) करने से फाइल को केवल पढ़ा जा सकता है, उसमें परिवर्तन नहीं किया जा सकता है।

Hidden : इस विकल्प को चेक (✓) करने से फाइल एक्सप्लोरर में दिखाई नहीं देता।



चित्र संख्या : 16.13 : विण्डोज एक्सप्लोरर

20.2. फाइल व फोल्डर देखना (Viewing Files & Folders): Explorer Window में फाइल व फोल्डर देखने व व्यवस्थित करने के कई तरीके हो सकते हैं—

(i) **Thumbnails:** File में स्थित डाटा के प्रकार के आधार पर आइकन दर्शाता है।

(ii) **Icons:** फाइल व फोल्डर को आइकन के रूप में दर्शाता है। आइकन के नीचे फाइल का नाम भी प्रदर्शित रहता है।

(iii) **List:** फाइल व फोल्डर का लिस्ट दिखलाता है जिसके साथ छोटे आइकन भी बने रहते हैं।

(iv) **Tiles:** फाइल व फोल्डर को आइकन के रूप में दर्शाता है।

(v) **Details:** फाइल का विस्तृत विवरण, जैसे नाम, प्रकार, आकार, अंतिम परिवर्तन का दिन (Name, Type, Size, Date Last Modified) बताता है।

Thumbnails

Tiles

Icons

● List

Details

चित्र 16.14 फाइल व फोल्डर देखना

21. की-बोर्ड को माउस की तरह प्रयोग करना (Using Keyboard as Mouse)

की बोर्ड के Arrow Keys या Numeric Key Pad को माउस के विकल्प के रूप में प्रयोग किया जा सकता है। इसे सक्रिय करने का तरीका है—

2.2. माउस को की-बोर्ड की तरह प्रयोग करना (Using Mouse as Keyboard)

On Screen Keyboard का प्रयोग कर माउस का उपयोग की बोर्ड की तरह किया जा सकता है। इसमें स्क्रीन पर माउस की प्रतिलिपि दिखाई देती है जिसके बटनों को माउस द्वारा दबाया जाता है।

23. माउस के गुणों में परिवर्तन करना (Mouse Setting)

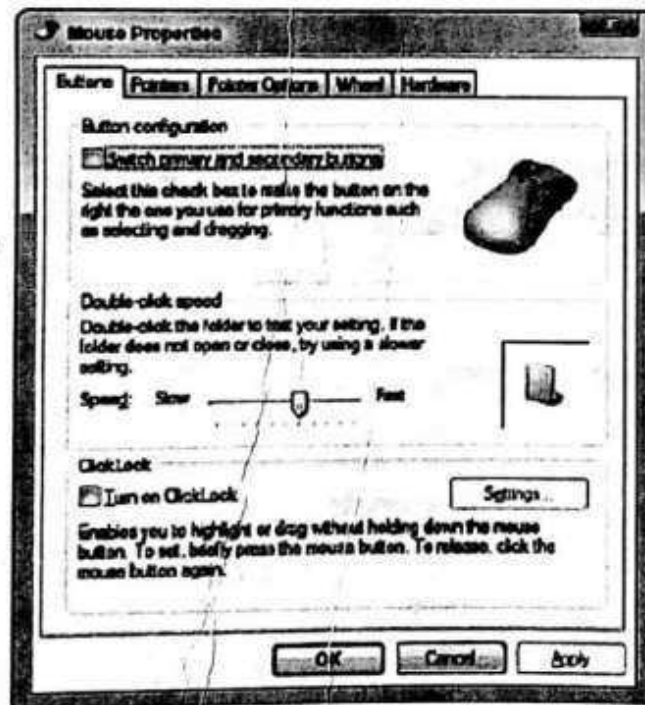
Start > Settings > Control Panel > Mouse Properties
से Mouse Properties डायलॉग बॉक्स खोलकर माउस की सेटिंग
की जा सकती है।

इस डायलॉग बॉक्स के विभिन्न टैब हैं—

Buttons : माउस बटन को Left hand या Right hand में बदलना, डबल क्लिक का स्पीड निर्धारित करना आदि।

Pointer : माउस प्वाइंटर के स्वरूप (Size, Colour and Shape) निर्धारित करना।

Pointer Options: माउस प्वाइंटर के स्पीड आदि निर्धारित करना।



चित्र 16.15 माउस प्रोपर्टीज डायलॉग बॉक्स

24. डिस्टले प्रोपर्टीज डायलॉग बॉक्स (Display Properties Dialog Box)

डेस्कटॉप पर खाली जगह पर Right Click करें। ड्राप डाउन मेन्यू में से Properties विकल्प को चुने। Display Properties डायलॉग बॉक्स खुलेगा।

इस डायलॉग बॉक्स के कुछ मुख्य टैंब हैं—

Themes : इसमें पूर्व निर्धारित विकल्पों की सूची रहती है जिसे चुनकर हम डेस्कटॉप बैक ग्राउंड, स्क्रीन सेवर, आवाज, आइकन आदि के निर्धारित सेट को कम्प्यूटर पर लागू कर सकते हैं।

Desktop : इसमें हम वांछित डेस्कटॉप बैक ग्राउंड का चयन कर सकते हैं। बैक ग्राउंड का एक Preview भी इस डायलॉग बॉक्स में दिखाई देता है।

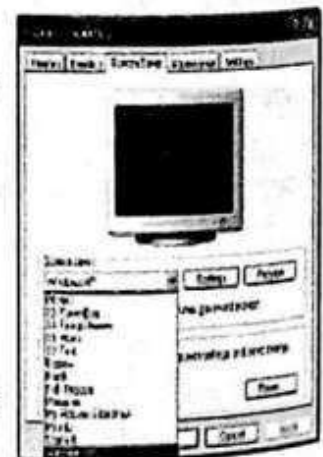


चित्र 16.16 डेस्कटॉप बैंक ग्राउण्ड बदलना

Screen Saver : कम्प्यूटर पर निर्धारित समय तक कोई कार्य नहीं करने पर मॉनीटर पर एक चयनित चित्रित प्रोग्राम चलने लगता है जिसे स्क्रीन सेवर कहा जाता है। इस टैब में हम स्क्रीन सेवर चुन सकते हैं, उसका Preview देख सकते हैं, स्क्रीन सेवर चलने का समय निर्धारित कर सकते हैं तथा मॉनीटर का Power Settings तय कर सकते हैं।

की बोर्ड या माउस के किसी बटन को दबाने पर स्क्रीन सेवर बंद हो जाता है तथा डेस्कटॉप दिखाई देता है।

Appearance : इस टैब द्वारा हम मॉनीटर पर विण्डोज के दिखाई देने के तरीके तथा आइकन के आकार आदि को चुन सकते हैं। इससे विंडो के अंगों तथा डेस्कटॉप के रंग व स्वरूप को निर्धारित किया जाता है।



चित्र 16.17 डिस्प्ले पोपर्टीज स्क्रीन सेवर

Settings : इस टैब द्वारा विंडो में रंगों की संख्या, डिस्प्ले की तीव्रता तथा अक्षरों के स्वरूप (Font) को निर्धारित किया जाता है।

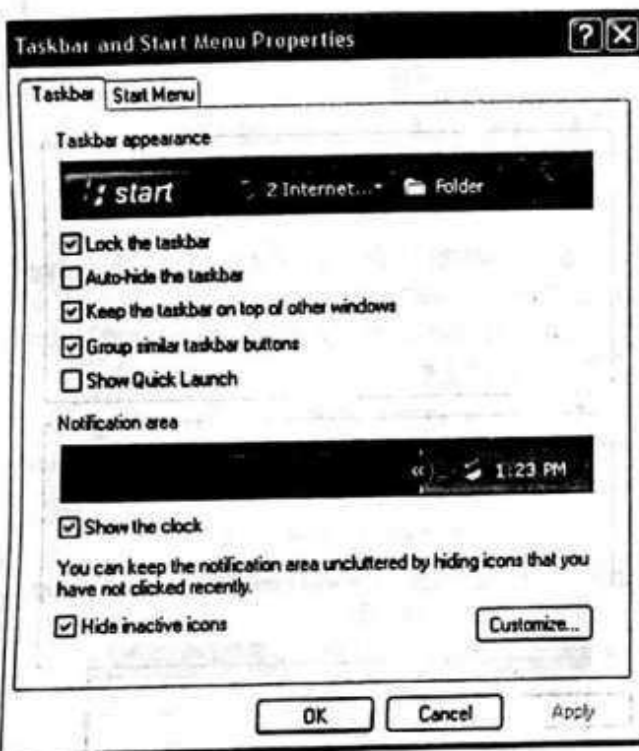
25. टास्क बार में परिवर्तन करना (Changing the Task Bar)

विण्डोज टास्क बार खुले हुए प्रोग्रामों तक पहुंचने का आसान तरीका है। टास्क बार के स्वरूप में परिवर्तन के लिए—

- Start बटन को क्लिक करें।
- स्टार्ट मेनू में Setting विकल्प चुने।
- कैसकेडिंग मेन्यू में से Taskbar & Start Menu विकल्प को क्लिक करें। Taskbar Properties डायलॉग बॉक्स खुल जाता है। Taskbar options टैब क्लिक करें।

क्या आप जानते हैं ?

- Display Properties डायलॉग बॉक्स को Start मेन्यू के Settings > Control Panel विकल्प से भी खोला जा सकता है।
- डायलॉग बॉक्स में किसी परिवर्तन को लागू करने के लिए Apply > OK बटन दबाना होता है।



चित्र 16.18 टास्कबार प्रॉपर्टीज का डायलॉग बॉक्स

इसमें उपलब्ध विकल्प हैं—

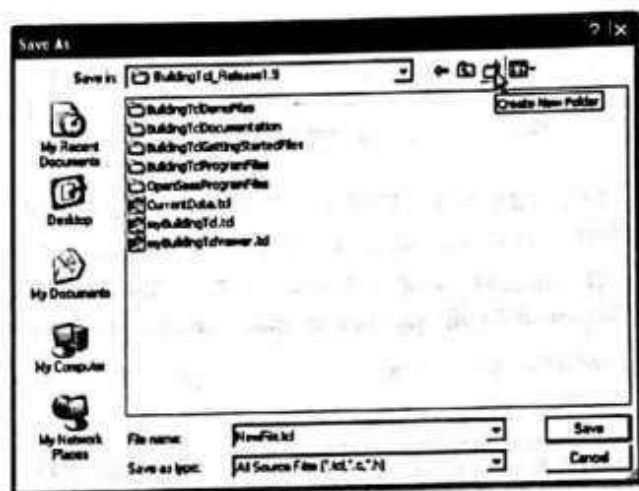
- **Lock the taskbar :** टास्क बार को उसके वर्तमान स्थान से हटाया नहीं जा सकता। इसे चेक (✓) करने पर टूल बार की वर्तमान स्थिति व आकार में बदलाव नहीं किया जा सकता।
- **Auto Hide the Taskbar :** इसे चेक (✓) करने पर टास्क बार उपयोग न होने पर छिप जाता है तथा माउस प्वाइंटर के आने पर दिखाई देता है।

- **Keep the Taskbar on top of other Window :** इसे चेक (✓) करने पर टास्क बार हमेशा दिखाई देता है।
- **Show the Clock :** इसे चेक (✓) करने पर टास्क बार पर डिजिटल घड़ी समय दर्शाती रहती है। घड़ी को डबल क्लिक कर दिन व समय बदला जा सकता है।
- **Hide Inactive Icons :** इसे चेक (✓) करने पर टास्क बार पर स्थित प्रयोग में नहीं लिए जा रहे आइकन छुप जाते हैं ताकि टास्क बार साफ दिखाई दें।

26. विण्डोज प्रोग्राम में कार्य करना

26.1. नया फोल्डर बनाना (Creating New Folder) :

- डेस्कटॉप पर Right Click करें।
- मेन्यू से New विकल्प चुनें।
- अगले मेन्यू में Folder विकल्प पर क्लिक करें।
- डेस्कटॉप पर New Folder आइकन दिखेगा।
- मेन्यू बार में File > New > Folder चुनकर भी नया फोल्डर खोल सकते हैं।



चित्र 16.19 नया फोल्डर बनाना

26.2. नया डॉक्यूमेंट खोलना (Creating a New Document) :

- मेन्यू बार पर File > New > Blank Document पर क्लिक करें, या
- स्टैंडर्ड टूल बार पर New Document आइकन पर क्लिक करें, या
- Start > Programs में से निर्धारित प्रोग्राम चुनें।

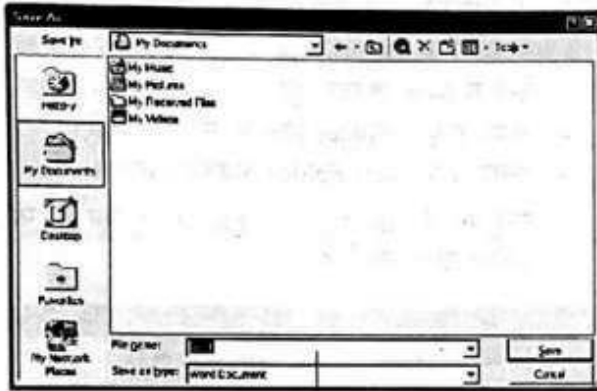
26.3. पुराना डॉक्यूमेंट खोलना (Open an old Document) :

डिस्क में पहले से Save किए गए डॉक्यूमेंट को खोलने के लिए—

- File > Open पर क्लिक करें। फिर फाइल के नाम पर क्लिक करें, या
- स्टैंडर्ड टूल बार पर Open आइकन क्लिक करें। फिर फाइल के नाम पर क्लिक करें।

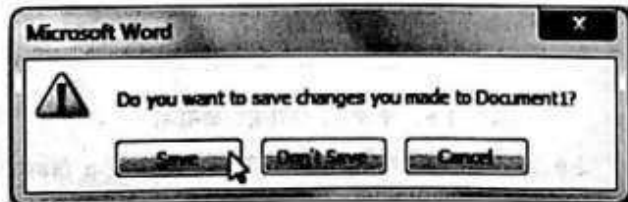
26.4. डाक्यूमेंट सेव करना (Save a Document)

- पहले से ही Save किए गए किसी डाक्यूमेंट को परिवर्तन के बाद पुनः Save करने के लिए मेन्यू बार पर File > Save पर क्लिक करें। या स्टैंडर्ड टूल बार पर Save आइकन पर क्लिक करें।
- किसी नये डाक्यूमेंट को Save करने के लिए मेन्यू बार पर File > Save As चुने। Save As डायलॉग बॉक्स खुलेगा।
- फाइल नेम में फाइल का नाम डालें।
- Save बटन पर क्लिक करें।



चित्र 16.20 सेव ऐज डायलॉग बॉक्स

- किसी फाइल में कुछ परिवर्तन करने के बाद उसे Close करने पर "Do you want to Save the Changes to Document?" के प्रश्न के साथ एक एलर्ट डायलॉग बॉक्स खुलता है। इसमें Yes विकल्प चुनकर हम डाक्यूमेंट Save कर सकते हैं।



चित्र 16.21 एलर्ट डायलॉग बॉक्स

26.5. फाइल या फोल्डर का नाम बदलना (Renaming a File or Folder) :

- फाइल या फोल्डर आइकन पर माउस से Right Click करें।
- ड्राप डाउन मेन्यू से Rename विकल्प चुनें। पुराना नाम चुना हुआ दिखाई देगा।
- नया नाम टाइप करें तथा Enter बटन दबायें।

रोचक तथ्य

कोई फाइल नाम डाले बिना डाक्यूमेंट को Save करने पर कम्प्यूटर डाक्यूमेंट के पहले कुछ शब्दों को फाइल नाम के रूप में स्वतः चुन लेता है।

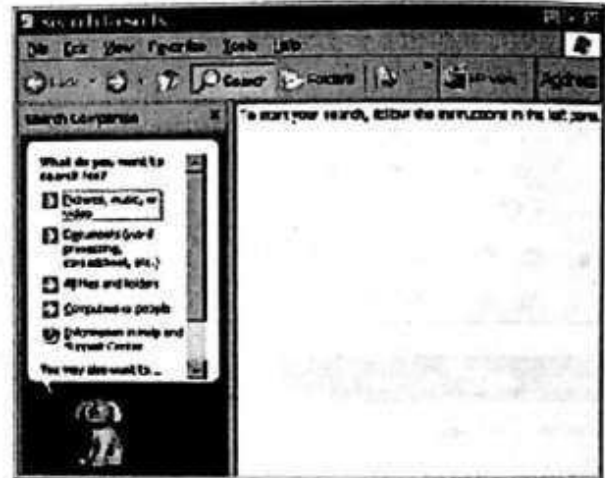
26.6. फाइल तथा फोल्डर ढूँढना (Searching Files and Folders) :

स्टार्ट मेन्यू में Start > Search > Files or Folders विकल्प चुने। Search डायलॉग बॉक्स खुलेगा।

147 / 184

Search डायलॉग बॉक्स में फाइल का प्रकार (Pictures and Photos, Music, Video), फाइल का नाम या फाइल में स्थित किसी शब्द (Word or Phrase) डालकर Search टैब दबाने पर यह वांछित फाइल खोजकर उसे दर्शाता है।

इसमें Search किए जाने के स्थान का चयन कर सकते हैं।



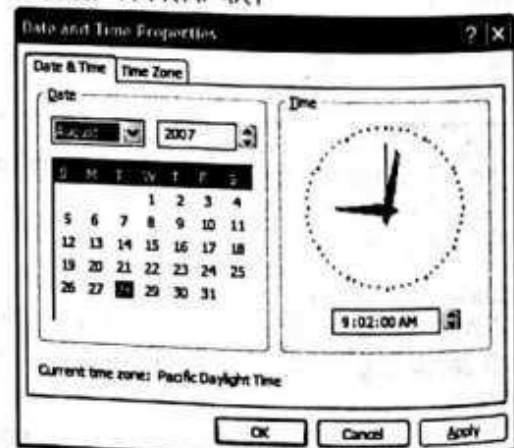
चित्र 16.22 सर्च डायलॉग बॉक्स

26.7. कम्प्यूटर में दिन व समय बदलना (Changing Date & Time) :

विण्डोज प्रोग्राम में घड़ी का समय टास्क बार के दांये कोने में दिखाई देता है। इस पर माउस प्वाइंटर ले जाने से दिन या तिथि दिखाई पड़ता है।

दिन, तिथि व समय में परिवर्तन Date/Time Properties डायलॉग बॉक्स से किया जा सकता है। Date/Time Properties डायलॉग बॉक्स लाने के लिए—

- > टास्क बार पर समय को डबल क्लिक करें।
- > Start > Settings > Control Panel > Date/Time Properties. पर क्लिक करें।



चित्र 16.23 : डेट/टाइम प्रोपर्टीज

क्या आप जानते हैं ?

विण्डोज में किसी मेन्यू को एक्सप्लोर करने पर तीर का दो निशान (►) यह बतलाता है कि मेन्यू में अन्य विकल्प (other options) भी मौजूद हैं।

26.8. पेज सेटअप (Page Setup) : विंडोज साफ्टवेयर में किसी डॉक्यूमेंट में पेपर के आकार (Size), विन्यास (Layout) तथा मार्जिन (Margin) आदि को निर्धारित करने के लिए इस सुविधा का प्रयोग किया जाता है।

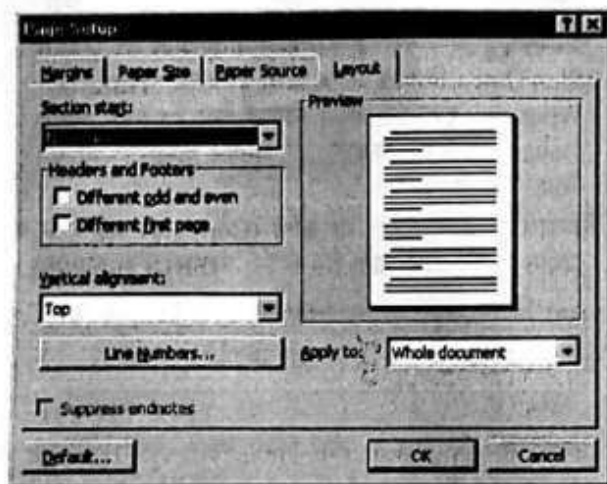
मेन्यू बार पर File > Page Setup चुनकर Page Setup डायलॉग बॉक्स खोल सकते हैं। इसमें उपलब्ध विकल्प हैं—

Margins : इसमें पेपर के चारों ओर के मार्जिन, हेडर, फुटर तथा गटर के मार्जिन निर्धारित करते हैं।

Paper Size : इससे पेपर का आकार (Size) तथा ओरिएन्टेशन (Portrait/Landscape) निर्धारित कर सकते हैं। Portrait में पेज का मार्जिन लंबाई की तरफ होता है जबकि Land Landscape में पेज का मार्जिन चौड़ाई की तरफ होता है।

Paper Source : इसमें प्रिंट के समय पेपर प्राप्त करने का स्थान व तरीका निर्धारित करते हैं।

Layout : यह पेपर का लेआउट तय करता है।



चित्र 16.24 : पेज सेटअप डायलॉग बॉक्स

26.9. प्रिंट प्रिव्यू देखना (Print Preview) : प्रिंट देने से पहले डॉक्यूमेंट का Preview देखने के लिए इस सुविधा का प्रयोग किया जाता है।

इसके लिए मेन्यूबार के File मेन्यू में Print Preview क्लिक करें। Preview विंडो खुलेगा जो यह दिखाता है कि डॉक्यूमेंट प्रिंट किए जाने पर कैसा दिखेगा। इसे स्टैण्डर्ड टूल बार पर Print Preview आइकन पर क्लिक कर भी खोल सकते हैं।

26.10. डॉक्यूमेंट प्रिंट करना (Printing a Document) : File मेन्यू में Print विकल्प पर क्लिक कर या टूलबार पर Print आइकन पर क्लिक कर Print डायलॉग बॉक्स खोला जा सकता है।

इसमें उपलब्ध विकल्प हैं—

Printer : इसमें प्रिंटर का प्रकार तथा उसकी प्रोपर्टीज निर्धारित किए जाते हैं।

Page Range : इसमें रेडियो बटन में से किसी एक का चयन कर सकते हैं। इसमें उपलब्ध विकल्प हैं- All, Current Page, Selection तथा Pages जिसमें से किसी एक का चयन किया जा सकता है।

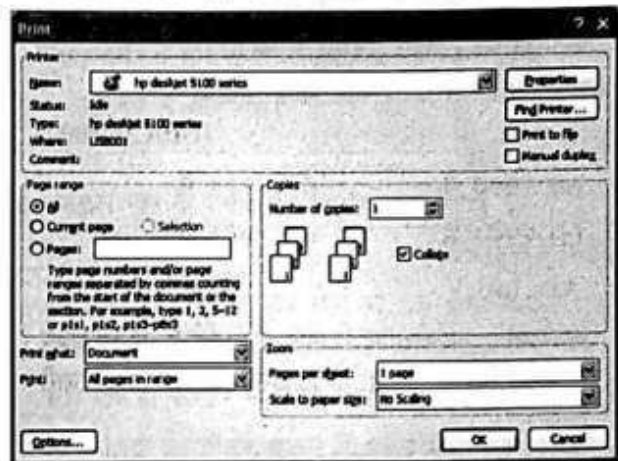
All - पूरे डॉक्यूमेंट का प्रिंट देता है।

Current Page - वर्तमान में दिखाई दे रहे पेज का प्रिंट देता है।

Selection - सेलेक्ट किए गए टेक्स्ट या आब्जेक्ट का प्रिंट देता है।

Pages - इस विकल्प को चुनने पर डॉक्यूमेंट की पेज संख्या दी जाती है तथा उसका प्रिंट लिया जाता है।

Copies : इसमें प्रिंट किए जाने वाले डॉक्यूमेंट के कॉपी की संख्या निर्धारित की जाती है।



चित्र संख्या : 16.25 : प्रिंट डायलॉग बॉक्स

27. विंडोज आपरेटिंग सिस्टम के सहायक प्रोग्राम (Windows Accessories) :

नोट पैड (Note Pad) : यह एक टेक्स्ट प्रोग्राम है जिसमें शीघ्रता से टेक्स्ट फाइल तैयार किया जा सकता है, पर इसमें फॉरमेटिंग नहीं की जा सकती। इसका प्रयोग किसी अन्य प्रोग्राम के साथ छोटी आवश्यक सूचना रखने के लिए किया जाता है।

वर्ड पैड (Word Pad) : यह एक टेक्स्ट आधारित प्रोग्राम है जिसमें टेक्स्ट आधारित सूचना टाइप की जा सकती है तथा उसे फॉरमेट भी किया जा सकता है।

पेंट (Paint) : इसकी सहायता से माउस द्वारा रंग-बिरंगे चित्र बनाए जा सकते हैं, Copy किए गए चित्र को Paste किया जा सकता है तथा उसमें परिवर्तन भी किया जा सकता है। इसमें चित्र के साथ टेक्स्ट व डिजाइन भी डाल सकते हैं।

कैलकुलेटर (Calculator) : इसका प्रयोग साधारण या वैज्ञानिक कलकुलेटर की तरह किया जाता है।

कैरेक्टर मैप (Character Map) : इसमें पूर्व निर्धारित कैरेक्टर के समूह में से एक या अधिक विशेष कैरेक्टर का उपयोग विंडो के किसी अन्य प्रोग्राम में किया जा सकता है।

क्लिप बोर्ड (Clip Board) : यह विंडो साफ्टवेयर की एक व्यवस्था है जिसके माध्यम से किसी आब्जेक्ट (अक्षर, शब्द, पैराग्राफ, रेखाचित्र, टेबल आदि) को Cut या Copy कर अस्थायी तौर पर रखा

जाता है तथा उसका उपयोग उसी या किसी अन्य प्रोग्राम में Paste करने के लिए किया जाता है। क्लिप बोर्ड में रखे गए आब्जेक्ट को कई बार देना पर क्लिप बोर्ड खाली हो जाता है।

149 / 184

वस्तुनिष्ठ प्रश्न (Objective Question)

1. ग्राफिकल यूजर इंटरफेस (GUI) का प्रारंभ किया था—

- (a) माइक्रोसॉफ्ट ने (b) एप्पल कम्प्यूटर ने
(c) जेरोक्स कारपोरेशन ने (d) इनमें से कोई नहीं

Ans. (c)

व्याख्या : सर्वप्रथम जेरोक्स कारपोरेशन ने ग्राफिकल यूजर इंटरफेस पर आधारित जेरोक्स स्टार (Xerox Star) नामक कम्प्यूटर का विकास 1980 में किया।

2. विण्डोज 3.0 संस्करण जारी किया गया था—

(Utt/Clk/2008)

- (a) 1990 में (b) 1991 में
(c) 1992 में (d) 1993 में

Ans. (a)

व्याख्या : माइक्रोसॉफ्ट कम्पनी ने विण्डोज का लोकप्रिय संस्करण विण्डोज 3.0 को विकसित कर 1990 में जारी किया।

3. ग्राफिकल यूजर इंटरफेस में प्रोग्रामों को दर्शाने के लिए छोटे-छोटे तस्वीरों का प्रयोग किया जाता है। ये कहलाते हैं—

- (a) फीगर (b) आइकन
(c) फाइल (d) फोल्डर

Ans. (b)

व्याख्या : आइकन (Icon) छोटे-छोटे तस्वीर हैं जिन्हें किसी विशेष प्रोग्राम में क्रियान्वयन के लिए शार्टकट (Short Cut) की तरह प्रयोग किया जाता है। इन आइकन के नीचे प्रोग्राम का नाम भी लिखा रहता है।

4. विण्डोज में फाइल नाम के संबंध में क्या सही है—

- (a) खाली स्थान का प्रयोग किया जा सकता है
(b) विशेष चिह्नों का प्रयोग नहीं किया जा सकता
(c) अधिकतम 255 कैरेक्टर का प्रयोग किया जा सकता है
(d) उपर्युक्त सभी सही है

Ans. (d)

व्याख्या : विण्डोज में फाइल नाम 255 कैरेक्टर का हो सकता है जिसमें खाली स्थान भी शामिल है, पर विशेष चिह्नों का प्रयोग नहीं किया जाता।

5. विण्डोज में Delete की गई फाइलें चली जाती हैं—

- (a) रीसाइकिल बिन में (b) टास्क बार पर
(c) स्टार्ट मेन्यू में (d) नेटवर्क नेबरहुड में

Ans. (a)

व्याख्या : कम्प्यूटर से नष्ट (Delete) की गई फाइलें अस्थायी तौर पर रीसाइकिल बिन में चली जाती हैं। जरूरत पड़ने पर इसे Restore द्वारा वापस भी लाया जा सकता है। फाइल को पूरी तरह नष्ट करने के लिए Empty Recycle Bin का आदेश दिया जाता है।

6. कम्प्यूटर को बंद करने के लिए—

- (a) सप्लाय बंद कर देते हैं
(b) शट डाउन डायलॉग बॉक्स का प्रयोग करते हैं
(c) कम्प्यूटर को बंद नहीं किया जाता
(d) लॉग ऑफ का प्रयोग करते हैं

Ans. (b)

व्याख्या : कम्प्यूटर को बंद करने के लिए Start मेन्यू में Shut Down विकल्प क्लिक करते हैं जिससे Shut Down Windows डायलॉग बॉक्स दिखाई देता है। इसमें Shut Down तथा OK विकल्प को चुनकर कम्प्यूटर को बंद किया जाता है।

7. विण्डोज में कट (Cut) या कॉपी (Copy) की गई वस्तु को प्रयोग से पूर्व रखा जाता है—

(SBI/Clk/2008)

- (a) क्लिप बोर्ड (b) कैरेक्टर मैप
(c) फारमेट पेंटर (d) नोटपैड

Ans. (a)

व्याख्या : विण्डोज के अंदर किसी अक्षर, शब्द, पैराग्राफ या रेखाचित्र को Cut या Copy कर क्लिप बोर्ड में रखा जाता है ताकि किसी अन्य स्थान पर उसका प्रयोग किया जा सके।

8. साफ्टवेयर में कमांड (Command) और आप्शंस (Options) की सूची होती है—

(SBI/Clk-2009)

- (a) टाइटल बार में (b) मेन्यू बार में
(c) टूल बार में (d) इनमें से कोई नहीं

Ans. (c)

9. प्रिंट के लिए कौन सा मेन्यू चुना जाता है—

(SBI/Clk-2009)

- (a) इडिट (b) फाइल
(c) टूल्स (d) इनमें से कोई नहीं

Ans. (b)

व्याख्या : प्रिंट (Print) कमांड मेन्यू बार के फाइल (File) पुल डाउन मेन्यू पर उपलब्ध है। इससे प्रिंट का डायलॉग बॉक्स खुलता है। प्रिंट डायलॉग बॉक्स को स्टैंडर्ड टूलबार के प्रिंट आइकन से भी खोला जाता है।

10. उपयोगकर्ता दस्तावेज को जो नाम देता है, उसे कहते हैं—

(SBI/Clk-2009)

- (a) फाइल नेम (b) यूजर नेम
(c) डाटा (d) इनमें से कोई नहीं

Ans. (a)

व्याख्या : प्रत्येक फाइल को एक विशेष पहचान देने के लिए उसे एक विशेष नाम दिया जाता है जिसे फाइल नेम कहते हैं जिसमें अंक, अक्षर तथा विशेष चिह्न हो सकते हैं।

11. नया डाक्यूमेंट बनाने के लिए फाइल मेन्यू पर कमांड होता है—

(SBI/Clk-2009)

- (a) ओपेन (b) सेव
(c) न्यू (New) (d) इनमें से कोई नहीं

Ans. (c)

व्याख्या : मेन्यू बार (Menu Bar) के फाइल ड्राप डाउन मेन्यू में न्यू (New) ऑप्शन क्लिक कर नया डाक्यूमेंट खोला जा सकता है। इसके लिए Standard Tool bar पर न्यू (New) ऑप्शन क्लिक कर भी नया डाक्यूमेंट खोल सकते हैं।

12. फाइल एक्सटेंशन इस्तेमाल किया जाता है—

(SBI/Clk-2009)

- (a) फाइल को नाम देने के लिए
(b) फाइल के प्रकार को पहचानने के लिए
(c) फाइल को पहचानने के लिए
(d) इनमें से कोई नहीं

Ans. (b)

व्याख्या : फाइल नेम के दो भाग होते हैं—(i) नाम (Name) तथा (ii) एक्सटेंशन (Extention)। फाइल एक्सटेंशन फाइल के प्रकार पर निर्भर करता है तथा कम्प्यूटर द्वारा स्वतः दिया जाता है।

13. वर्ड डाक्यूमेंट (Word Document) का फाइल एक्सटेंशन नाम होता है—

(SBI/Clk-2009)

- (a) DOC (b) TXT
(c) WRD (d) इनमें से कोई नहीं

Ans. (a)

14. जब आप अपने कम्प्यूटर में कोई नया प्रोग्राम इंस्टाल (Install) करते हैं, तो यह किस मेन्यू में जुड़ता है?

(SBI (PO) 2010)

150 / 184

- (a) ऑल प्रोग्राम मेन्यू (b) स्टार्ट प्रोग्राम मेन्यू
(c) सेलेक्ट प्रोग्राम मेन्यू (d) डेस्क प्रोग्राम मेन्यू
(e) इनमें से कोई नहीं।

Ans. (a)

15. निम्नलिखित में से कौन-सा वर्तमान में चल रहे प्रोग्राम का आइकन डिस्प्ले करता है, जिस पर क्लिक करने से विंडो ऊपर आ जाएगी—

(IBI (PO) 2008)

- (a) मेन्यू बार (b) टॉस्क बार
(c) टाइटल बार (d) स्टेट्स बार
(e) इनमें से कोई नहीं।

Ans. (c)

16. फाइल नाम के संबंध में कौन-सा कथन गलत है—

(SBI (PO) 2008)

- (a) फाइलों का एक जैसा नाम या एक जैसा एक्सटेंशन हो सकता है, पर दोनों एक जैसे नहीं हो सकते।
(b) एक ही फोल्डर में प्रत्येक फाइल का यूनिक नाम होता है।
(c) फाइल एक्सटेंशन फाइल के प्रकार का दूसरा नाम है।
(d) फाइल एक्सटेंशन फाइल के नाम के बाद डॉट (dot) से पहले आता है।
(e) इनमें से कोई नहीं।

Ans. (d)

व्याख्या : दो फाइलों का नाम तथा एक्सटेंशन दोनों समान नहीं हो सकते। फाइल एक्सटेंशन फाइल के नाम के बाद डॉट (dot) के बाद आता है तथा फाइल के प्रकार पर निर्भर करता है।

17. मौजूदा डाक्यूमेंट को किसी भिन्न नाम से सेव (Save) करना हो, तो—

(UBI - 2011),

(IBPS (Clk) 2011)

- (a) डाक्यूमेंट को फिर से टाइप करें और भिन्न नाम दें।
(b) सेव ऐज (Save As) कमांड का प्रयोग करें।
(c) मूल डाक्यूमेंट को कॉपी और पेस्ट करें।
(d) डाक्यूमेंट को भिन्न लोकेशन पर पेस्ट कर रीनेम करें।
(e) इनमें से कोई नहीं।

Ans. (b)

